तेज गेंदबाजी विभाग में लगातार बदलाव होते रहते हैं और ऐसे में सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाज की वापसी तय मानी जा सकती है। फिलहाल चयनकर्ताओं ने सिराज की गैरमौजूदगी पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। – **आकाश चौपड़ा**

पूर्व भारतीय खिलाड़ी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अनिमेष कुजूर

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकेभारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर की दौड़ में नई उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. फर्राटा धावक ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकाला है. इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर इवेंट, फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट में दूसरा स्थान हासिल किया है। ओडिशा के 23 साल के एथलीट ने फाइनल में 10.14 सेकंड के पर्सनल बेस्ट प्रयास के साथ फिनिश लाइन पार की, यह टाइमिंग अब किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टाइमिंग है।

क्या आप जानते हैं ?... अमेरिका के दिग्गज तैराक माइकल फेल्प्स ने 23 स्वर्ण समेत कुल 28 ओलंपिक पदक जीते हैं, जो आज तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 'चैम्पियनशिप रिंग' की जंग, क्या बदलेगी फुटबॉल की पुरानी परंपरा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच रविवार को होने वाला मुकाबला सिर्फ फीफा विश्व कप ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहेगा। विजेता टीम के खिलाड़ियों को पहली बार यादगार 'चैंपियनशिप रिंग (अंगूठी)' भी दी जाएगी। फीफा ने पहली बार विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों को को विशेष अंगूठियां देने का फैसला किया है। उत्तर अमेरिकी खेलों में चैंपियन टीम को अंगूठियां देने की परंपरा 19वीं सदी के अंत से चली आ रही है, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में यह प्रथा आम नहीं है। इस बार फाइनल मुकाबला अमेरिका में खेला जा रहा है, इसलिए फीफा का यह कदम वहां की खेल परंपरा से प्रेरित माना जा रहा है।

विजेता टीम के खिलाड़ियों को हमेशा की तरह स्वर्ण पदक मिलेंगे, जबकि टीम के कप्तान और मुख्य कोच को फाइनल के तुरंत बाद प्रतीकात्मक अंगूठी पहनाई जाएंगी। बाद में विजेता टीम के लिए विशेष रूप से तैयार की गई 30 अंगूठियां बनाई जाएंगी। अंगूठी के एक तरफ विश्व कप ट्रॉफी की आकृति होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम की पहचान को दर्शाने वाला विशेष डिजाइन बनाया जाएगा।

कुल 2,026 अंगूठियां तैयार की जाएंगी, जो साल 2026 का प्रतीक हैं। हर अंगूठी पर अलग क्रमांक होगा, उसे पहनने वाले के अनुसार तैयार किया जाएगा और उसके साथ प्रामाणिकता का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। विजेता टीम को मिलने वाली 30 अंगूठियों के अलावा बची 1,996 अंगूठियां आम लोगों के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

फीफा ने हालांकि अभी तक इन अंगूठियों की कीमत का खुलासा नहीं किया है। चैंपियनशिप रिंग देने की परंपरा की शुरुआत 1893 से मानी जाती है, जब मॉन्ट्रियल हॉकी क्लब को डोमिनियन हॉकी चैलेंज कप जीतने पर विशेष अंगूठियां दी गई थीं। बाद में मेजर लीग बेसबॉल ने 1920 के दशक में, एनबीए ने 1940 के दशक के अंत से और एनएफएल ने सुपर बाउल युग की शुरुआत से अपनी विजेता टीमों को चैंपियनशिप रिंग देना शुरू किया।

पी.वी. सिंधु ने जापान ओपन में रचा इतिहास, पहली बार सुपर 750 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु जापान ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फ़ाइनल में पहुँच गईं। शनिवार को सेमीफ़ाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी, चीन की चेन युफ़ेई, दूसरे गेम के बीच में ही चोट के कारण मैच से हट गईं।

दुनिया में 12वें नंबर के ओलंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ी टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में मैच में 21-19, 15-10 से आगे चल रहे थे, तभी दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से नाम वापस ले लिया। सिंधु अब रविवार को खिताबी मुकाबले में जापान की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। यामागुची ने दूसरे सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की छठे नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह फ़ाइनल, दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट जीतने के बाद से वर्ल्ड टूर के किसी ख़िताबी मुक़ाबले में सिंधु की पहली उपस्थिति होगी। साथ ही, यह सुपर 750 इवेंट में उनका पहला फ़ाइनल मुक़ाबला भी होगा।

चेन के ख़िलाफ़ 8-6 के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ सेमीफ़ाइनल में उतरीं सिंधु ने मज़बूत शुरुआत की और पहले गेम में 16-11 की बढ़त बना ली। हालाँकि, चेन – जिन्होंने सिंधु को पिछली चार मुलाक़ातों में हराया था – ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। सिंधु ने आख़िरी पलों में संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-19 से जीत लिया। . के अनुसार, भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी और बढ़त हासिल की, लेकिन 44 मिनट के खेल के बाद चोट के कारण चेन को मुकाबला रोकना पड़ा।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर, हर्ष दुबे को टीम में मिली जगह

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है। सुंदर की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए जल्द ही उनके स्कैन कराए जाएंगे। इसके साथ ही उनकी चोट के आगे के मैनेजमेंट और रिकवरी के लिए विशेषज्ञों (स्पेशलिस्ट) की सलाह ली जाएगी।

बल्लेबाजी कोच ने पहले ही जताई थी चिंता : दूसरे वनडे के बाद भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी सुंदर की चोट को लेकर चिंता जताई थी। रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और चोट गंभीर लग रही है। तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम का अपडेटेड स्क्वॉड : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे।

वर्ल्ड कप फाइनल स्लावको विंसिक रेफरी हंगे, फीफा अध्यक्ष का 57,700 मील का सफर

नई दिल्ली, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच मुकाबले की जिम्मेदारी स्लोवेनिया के रेफरी स्लावको विंसिक संभालेंगे। छह साल पहले 2020 में बोस्निया में एक कथित वेश्यावृत्ति गिरोह पर पुलिस छापे के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। हालांकि जांच में उनके खिलाफ किसी तरह की आपराधिक संलिप्तता नहीं मिली और बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। विंसिक ने कहा था कि वह कारोबारी बैठक के लिए बोस्निया गए थे और लंच का निमंत्रण स्वीकार करना उनकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ। विवादों को पीछे छोड़ने के बाद उन्होंने लगातार बड़े टूर्नामेंट में रेफरिंग की और अब फीफा ने उन्हें अर्जेंटीना-स्पेन फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप में उनका चौथा और करियर का सबसे बड़ा मुकाबला होगा।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज की, कहा- लॉर्ड्स के बाद भी खेलते रहेंगे

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा।

सैकिया ने से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं।

इंग्लैंड दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास की अटकलें थीं : इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है। साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने के कुछ अधिकारियों से भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

भारत को 2 खिताब जिताए : रोहित की कप्तानी में भारत 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचा। उन्होंने टीम को पहले गेंद से अटैक करने की स्ट्रैटिजी सिखाई। इससे वनडे क्रिकेट में भारत का नजरिया बदल गया। इसी टेम्पलेट पर भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। फिर 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीताई।

बतौर कप्तान 103 मैच जीते : रोहित शर्मा भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। उन्होंने 2017 से 2025 के बीच तीनों फॉर्मेट मिलाकर 142 मैचों में कप्तानी की। इसमें भारत ने 103 मुकाबले जीते।

वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं, कनाडा के जंगलों की आग का असर

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है। रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है। लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक मॉडरेट में आ सकती है। हालांकि, कुछ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को होने वाली बारिश के बाद धुएं का नया गुबार क्षेत्र में पहुंच सकता है, जिससे स्थिति फिर बदल सकती है।

चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ चुनाव

नियमों को ताक पर रख सहकारिता विभाग करा रहा गुपचुप चुनावी कवायद

जयपुर, 18 जुलाई। प्रदेश में क्रिकेट का खेल लंबे समय से राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। हाल ही में चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ के चुनावों को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है, जहाँ सहकारिता विभाग नियमों और माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर अत्यंत गोपनीय तरीके से चुनाव कराने की तैयारी में जुटा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों से जिले में क्रिकेट संचालन के लिए रजिस्ट्रार द्वारा एक पाँच सदस्यीय तदर्थ समिति (एडहॉक कमेटी) का गठन किया गया था। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि इन दो सालों में इस समिति की न तो कोई औपचारिक बैठक आयोजित हुई और न ही चुनावों को लेकर कोई पारदर्शी चर्चा की गई। अब आगामी 19 जुलाई को मतदान की प्रक्रिया तय कर दी गई है, लेकिन तदर्थ समिति के मूल सदस्यों और स्थानीय क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को इसकी कानों-कान खबर तक नहीं है।

नियमानुसार, चुनाव से 21 दिन पूर्व अधिसूचना जारी कर समाचार पत्रों में प्रकाशित करना, चुनाव स्थल पर नोटिस चस्पा करना और सभी संबंधित क्लबों व सदस्यों को ईमेल या रजिस्ट्री डाक द्वारा सूचित करना अनिवार्य होता है। परंतु इस मामले में इन सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

इस पूरी चुनावी कवायद में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी गंभीर आरोप लग रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि सहकारिता मंत्री के प्रभाव के चलते यह पूरी प्रक्रिया गुप्त तरीके से उनके क्षेत्र के अंतर्गत सावलिया जी (मंडफिया) स्थित गोकुल विश्रांति गृह में संचालित की जा रही है। जब मौके पर पड़ताल की गई, तो वहाँ न तो कोई घोषित चुनाव कार्यालय मिला और न ही कोई नोटिस बोर्ड लगा पाया गया।

हैरानी की बात यह है कि सहायक रजिस्ट्रार ने इस कार्यक्रम के बारे में किसी भी जानकारी से साफ इनकार कर दिया। वहीं, घोषित चुनाव अधिकारी बाबूलाल कुमावत ने भी मामले से पल्ला झाड़ते हुए स्वयं को चुनावी कार्यक्रम की वास्तविक जानकारियों से अनभिज्ञ बताया। इस अपारदर्शिता और नियमों के खुले उल्लंघन के कारण संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह संदेह के घेरे में आ गई है, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संभावनाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर की ओर से शनिवार को एमएनआईटी में वॉली-वर्डिक्ट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन हुआ। जहां प्रतिभागियों ने अपना दमखम दिखाया। विजेता खिलाड़ियों को अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और उपाध्यक्ष अनुराग कलावटिया ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

जिम्बाब्वे बनाम बांग्लादेश बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को करारी शिकस्त दी, दूसरे मुकाबले में 34 रन से दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 18 जुलाई। बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया. लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके. बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया. इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा. इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा.

पाक स्पिनर मो. नवाज डोप टेस्ट में फेल हुए, आईसीसी ने लगाया 3 माह का बैन

नई दिल्ली, 18 जुलाई। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है। अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा। कोलंबो में हुआ था नवाज का डोपिंग टेस्ट 32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-) के अंश पाए गए थे, जो एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है। इसका संबंध खेल के प्रदर्शन से नहीं था नवाज ने अपनी इस गलती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह साबित किया कि इस प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल उन्होंने आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन (यानी खेल के समय से अलग) किया था। साथ ही इसका उनके खेल के प्रदर्शन को बेहतर करने से कोई संबंध नहीं था। 1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध नवाज पर लगा यह 3 महीने का प्रतिबंध 1 मई 2026 से लागू माना गया है। 1 मई से उन्होंने अपना प्रोविजनल सस्पेंशन शुरू किया था। अब ढाई महीने का निलंबन पूरा करने और ट्रीटमेंट प्रोग्राम में शामिल होने के कमिटमेंट के बाद उनका प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है। अगर वे की संतुष्टि के अनुसार इस ट्रीटमेंट प्रोग्राम को पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें आगे कोई अतिरिक्त बैन नहीं झेलना होगा। नीदरलैंड्स मैच और उसके बाद के रिकॉर्ड्स रद्द एंटी-डोपिंग कोड के नियमों के तहत नवाज के कुछ मैचों के रिकॉर्ड्स को अमान्य कर दिया गया है। 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए मैच और उसके बाद से लेकर 1 मई 2026 तक खेले गए सभी मैचों में उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन और रिकॉर्ड्स को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

'मेसी के कदमों वाली घास बेचकर 90 करोड़ कमाएगा फीफा'

// तीन लाख में बिकेगा एक टुकड़ा, अमेरिका में मचा घमासान //

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 : फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाएगा। साल 2026 का सबसे बड़ा मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा और करीब 82 हजार फैंस से मैदान खचाखच भरा होगा। इस मैदान को लेकर एक बेहद रोचक जानकारी सामने आई है कि जिस घास की पिच पर फुटबॉल के भगवान कहे जाने वाले मेसी अपने कदम रखेंगे और युवा खिलाड़ी लामिन यमाल दौड़ते नजर आएंगे, उसी घास से फीफा ने 90 करोड़ रुपये कमाने का प्लान बनाया है। लेकिन यह बात न्यू जर्सी सरकार को पसंद नहीं आई और उसने आरोप लगाया कि मैदान अमेरिका की संपत्ति है, तो इससे होने वाली कमाई में न्यू जर्सी के टैक्सपेयर्स का भी हिस्सा होना चाहिए.

मेटलाइफ स्टेडियम में बिछाई गई नई घास : दरअसल, मेटलाइफ स्टेडियम में आर्टिफिशियल टर्फ पर अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग के मैच खेले जाते थे। मगर फीफा के नियमों के चलते अमेरिका को मैदान पर बरमूडा घास लगानी पड़ी। इसके निर्माण में न्यू जर्सी स्पोर्ट्स एंड एक्सपोजिशन अथॉरिटी ने 13.04 मिलियन डॉलर (करीब 108 करोड़ रुपये) खर्च किए, जिसके चलते फीफा के मैच मेटलाइफ स्टेडियम में नैचुरल घास पर खेले जा सके।

फीफा ने घास से 90 करोड़ कमाने का प्लान बनाया : फीफा ने फाइनल से पहले ही इसी सप्ताह मेटलाइफ स्टेडियम की घास को ऑनलाइन बेचना शुरू किया। इसमें घास के छोटे-छोटे हिस्सों को रेजिन में सुरक्षित किया गया है।

तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार के लिए रैली निकाली

जयपुर, 18 जुलाई। आगामी तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार सुबह जयपुर से सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी तक भव्य बाइक जागरूकता रैली निकाली गई। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत तथा सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार के साथ रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आयोजन समिति से जुड़े एडवोकेट ललित शर्मा ने बताया कि रैली में करीब 100 दिव्यांग पैरा थ्रोबॉल खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह रैली उस स्थल तक पहुंची, जहां मार्च 2027 में सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी में तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। रैली का उद्देश्य पैरा खेलों को बढ़ावा देना, दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा को सम्मान दिलाना तथा समाज में समावेशिता और समान अवसर का संदेश देना रहा। इस अवसर पर मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं। उन्हें केवल उचित मंच और अवसर की आवश्यकता है। राज्य सरकार खेलों और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंघानिया विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप राजस्थान के लिए गौरव का विषय होगी और इससे प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन और सिंघानिया विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और समानता की भावना को मजबूत करते हैं। विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों के उत्साह और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह रैली केवल खेलों के प्रचार का माध्यम नहीं बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण का अभियान भी है।

अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता

जयपुर, 18 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच मे एम बी क्रिकेट क्लब और अरावली क्रिकेट क्लब के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब की ओर से आदित्य बडसरा ने 101 रन, आर्य सिंह ने 23 रन और हिम्मत सिंह ने 15 रन बनाये। अरावली क्रिकेट क्लब की और से गेदबाजी करते हुए अक्षित ने 46 रन देकर 5 विकेट, यशवंत सिंह ने 36 रन देकर के 2 विकेट और अयान पठान ने 52 रन देकर के 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी करते हुए 213/1 26.4 ओवर मे रन बनाऐ। अरावली क्रिकेट क्लब कि ओर से नितिन अमरोठिया ने 76 रन, त्रिजल सैनी ने 23 रन ओर मोहम्मद कैफ ने 86 रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब ने गेदबाजी करते हुए विशाल चौधारी ने 36 रन देकर 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता हुई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होगी भारत की ध्वजवाहक

भारतीय ओलंपिक संघ ने की घोषणा, दोनों खिलाड़ी हैं ओलिंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं।

चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था : मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं।

लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था : लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2023 हांगझू एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। ग्लासगो में होने वाले इन खेलों में लवलीना को भारत की प्रमुख पदक दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे : बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।